मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

नीमच, बुधवार

21 फरवरी 2024

वर्ष 01, अंक 50, - मूल्य 02 रूपए

Periodicity- Weekly

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

पेज नं 4... मराठा समाज शिवाजी जयंती वाहन रैली

Commodity: Gold 63,955 Silver 71,248 Crude Oil 6,413 Natural Gas 131.70 Aluminium 198.40 Copper 724.25

छोटी खबरें

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 23 को नीमच में

नीमच। सीएम डॉ मोहन यादव आगामी 23फरवरी को नीमच दौरे पर आ रहे हैं। बता दें कि सी एम डॉ मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला दौरा होगा। सी एम डॉ मोहन यादव के इस दौरा कार्यक्रम के तहत बताया जा रहा है कि वह पहले रोड़ शो करेगें इसके तत्पश्चात शहर में एक बड़ी आमसभा को भी संबोधित करेंगे। जिसकी तैयारियो में प्रशासनिक अधिकारियों ने कमर कस ली है।

जानकारी अनुसार सीएम डॉक्टर यादव 23 फरवरी को नीमच में एक विशाल रोड शो भी कर सकते हैं। यह रोड शो शहर के मुख्य मार्गो से होता हुआ दशहरा मैदान पहुंचकर समाप्त होगा, जहां सीएम यादव एक विशाल जनसंभाग को संबोधित भी कर सकते हैं।

सीएम डॉक्टर यादव के नीमच दौरे को लेकर जिला प्रशासन तैयारी में जुड़ गया है रोड शो के रूट एवं आमसभा की व्यापक व्यवस्था की पूरी तैयारी की जा रही है।

पीएम मोदी आज करेंगे 9वें रायसीना डायलॉग का उद्घाटन, ग्रीस के प्रधानमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

21 फरवरी से रायसीना डायलॉग के 9वें संस्करण का आगाज हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी 9वें रायसीना डायलॉग का उद्घाटन करेंगे। इस डायलॉग के मुख्य अतिथि ग्रीस के प्रधानमंत्री कायरियाकोस मित्सोताकिस हैं। बता दें कि 15 सालों के बाद ग्रीस का कोई प्रधानमंत्री भारत दौरे पर आ रहा है। इससे पहले साल 2008 में अंतिम बार ग्रीस के पीएम ने भारत की यात्रा की थी।

नई दिल्ली। पीएम मोदी 21 फरवरी को रायसीना डायलॉग के 9वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। 9वें रायसीना डायलॉग में मुख्य अतिथि ग्रीस के प्रधानमंत्री कायरियाकोस मित्सोताकिस होंगे। वह भी इस उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे।

21 से 23 फरवरी तक आयोजित होगा 9वां रायसीना डायलॉग

बता दें कि 9वां रायसीना डायलॉग 21 से 23 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। पीएम मोदी के निमंत्रण पर ही ग्रीस के प्रधानमंत्री कायरियाकोस मित्सोताकिस दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं। ग्रीस के पीएम के साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा।

15 सालों में पहली बार करेंगे दौरा

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह 15 वर्षों के बाद ग्रीस के किसी नेता की भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। आखिरी बार साल 2008 में ग्रीस के प्रधानमंत्री भारत दौरे पर आए थे। जनवरी 2008 में भारत दौरे पर आए तत्कालीन ग्रीक प्रधानमंत्री कोस्टास करमनलिस के साथ विदेश मंत्री डोरा बाकोयानिस भी मौजूद थे।

द्विपक्षीय वार्ता करेंगे पीएम मोदी

विदेश मंत्रालय ने कहा कि ग्रीस के पीएम मिसोताकिस की भारत यात्रा से दोनों देशों की साझेदारी और मजबूत होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ग्रीस के पीएम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके साथ ही वह उनके सम्मान में भोजन की मेजबानी करेंगे।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत निर्माण में युवा योगदान दे श्री मंगुभाई पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और मिज़ोरम धरती पर प्रकृति की अनुपम सौगात है। दोनों प्रदेशों की संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता की देश में विशिष्ट पहचान है। दोनों राज्य भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक विविधता की समृद्धता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा और मज़बूत लोकतांत्रिक देश है, जिसमें विकास के सबको समान अवसर मिलते है। उन्होंने युवाओं का आव्हान किया है कि सांस्कृतिक विशिष्टताओं का संरक्षण और संवर्द्धन में एक भारत-श्रेष्ठ भारत बनाने के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें।

राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन में आयोजित अरुणाचल प्रदेश और मिज़ोरम राज्यों के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने दोनों प्रदेशों के निवासियों को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला और अरुणाचल एवं मिजोरम प्रदेश के मध्यप्रदेश में निवासरत मूल निवासी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मिज़ोरम और अरुणाचल प्रदेश दोनों ही राज्य सामाजिक और भौगोलिक दृष्टि से देश के महत्वपूर्ण राज्य है। ये घने जंगलों, झीलों-झरनों, वनस्पति और जीव-जंतुओं से भरपूर सांस्कृतिक विविधताओं के क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की विविधता में एकता की विरासत को मज़बूत बनाने, राष्ट्रीय सुरक्षा और राज्यों के बुनियादी विकास पर फ़ोकस किया है। उत्तरपूर्वी राज्यों में कृषि विकास को गति देने कार्यबल का गठन किया गया है। कई दशकों से लंबित पुल, सड़कें, रेलवे लाइन, सुरंगे, हवाई अड्डे और उड़ानों की परियोजनाएं पूर्ण होने से क्षेत्र के बुनियादी विकास में गति आयी है, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर भी निर्मित हुए हैं।

कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश और मिज़ोरम राज्यों के इतिहास और विकास पर आधारित लघु फ़िल्म दिखाई गई। मिज़ोरम राज्य के राज्यपाल डॉ. हरी बाबू कुम्भापति का राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामना संदेश भी प्रसारित किया गया। अरुणाचल प्रदेश के छात्र-छात्राओं के दल ने प्रदेश की समृद्ध विरासत और पहचान पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में दोनों राज्यों के मूल निवासी और भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज, मानसरोवर, सेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत दोनों राज्यों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ किया पौधरोपण

पर्यावरणविद डॉ. अनिल जोशी का किया सम्मान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्मार्ट सिटी उद्यान में पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ ताबेबुइया (गुलाबी तुरही) का पौधा रोपा, ट्री वॉक की और पर्यावरणविद डॉ. अनिल जोशी का सम्मान किया। मंत्रोच्चार के बीच हुए कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों, पर्यावरण प्रेमियों तथा गणमान्य नागरिक ने भी पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा पूर्व मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्री वॉक के दौरान स्मार्ट सिटी उद्यान में गत तीन वर्षों में लगाए गए पौधों का अवलोकन किया।

नीमच के नए पुलिस अधीक्षक होंगे अंकित जायसवाल, जल्द करेंगे पदभार ग्रहण

नीमच। नीमच के तात्कालिक पुलिस अधीक्षक अमित कुमार तोलानी के तबादले के बाद अति. पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया पुलिस अधीक्षक का पदभार संभाल रहे थे, वही आज देर रात नीमच के नए पुलिस कप्तान के नाम की घोषणा हुई जहां गृह विभाग द्वारा वर्ष 2017 के आईपीएस अधिकारी अंकित जायसवाल का नाम सामने आया है। अंकित जायसवाल भोपाल ग्वालियर निवाड़ी सहित कई जगहों पर अपनी सेवाएं दे चुके है।

अंकित जायसवाल शीघ्र ही नीमच में अपना पद ग्रहण करेंगे।

कुत्तो के आतंक से मुक्ति के लिए आप ने दिया कलेक्टर के नाम से ज्ञापन

नीमच। नगरपालिका प्रशासन हाय हाय ..... नगरपलिका प्रशासन होश में आओ होश में आओ. ..... आमजन को कुत्तो के आतंक से बचाओ आतंक से बचाओ ..... के गगनभेदी नारे लगाते हुए आप के कार्यकर्ता एवं सामाजिक संगठनो के पदाधिकारी आज कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर के नाम से ज्ञापन देकर मांग की गई की तुरंत सकारात्मक कार्यवाही कर जनता को कुत्तों के आतंक से मुक्ति दिलाये।

ज्ञापन में उल्लेख किया गे है की आज नीमच नगरपालिका क्षेत्र के साथ ही सम्पूर्ण नीमच जिले में कुत्तो का आतंक काफी बढ़ गया है। राह चलते लोगों को कुत्तों के काटने की घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही हैं। कुछ समय पूर्व इंदौर और भोपाल में मासूमों पर हुए कुत्तों के हमलों की घटना दिल दहलाने वाली रही है। इन घटनाओं में मासूमों की अकाल मृत्यु हो गई थी। इस प्रकार की घटनाएं नीमच शहर के साथ ही जिले में न हो इसकी हम उम्मीद करते हैं।

समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी आप तक भी पहुंची होगी कि प्रतिदिन नीमच शहर में 5 से 10 घटनाएं कुत्तो के काटने की सामने आ रही हैं। साथ ही कुत्तों का वाहनों एवं छोटे छोटे बच्चो की साइकिलों के पीछे भागने से रोड एक्सीडेंट भी हो रहे हैं। आज हालत इतने बदतर हो गए हैं कि आमजन अपने बच्चो को घर से बाहर भेजने तक से डरने लगे हैं। बुजुर्ग और महिलाएं जो सुबह-शाम घूमने जाते थे वे भी अब कुत्तों के आतंक की वजह से घर मे ही रहना अधिक सुरक्षित समझने लगे हैं।

नीमच शहर और जिले में कुत्तों के बढ़ते आतंक की ओर श्रीमान का ध्यान आकर्षित कराते हुए आम आदमी पार्टी ने जनहित में कलेक्टर से मांग की है की कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए जल्द से जल्द इनकी नसबंदी प्रारम्भ करवाई जाए। कुत्तो को नियमानुसार पकड़कर गाँधी सागर अभ्यारण में छोड़ा जाए। लापरवाही और उदासीनता बरते बिना तत्काल प्रभाव से शहर में आतंक फैला रहे कुत्तो को पकड़कर ट्रेंचिंग ग्राउंड पर बनाए गए नपा के सेल्टर हाउस में शिफ्ट किया जाए। जिला अस्पताल के साथ ही नीमच जिले के स्वास्थ्य केन्द्रो पर कुत्ता काटने के उपरांत लगने वाले इंजेक्शन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाए जाए।

देखने में आ रहा है कि पिछले लम्बे समय से नगरपालिका प्रशासन पशु प्रेमियों का बहाना बनाकर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहा है। हम मांग करते हैं कि आप दोनों ही पक्षों के साथ मीटिंग कर समस्या का जल्द से जल्द निराकरण करवाने का कष्ट करें।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की है की आप जनहित में आम आदमी पार्टी की ओर से जनहित में उठाए गए उक्त विषय पर सकारात्मक सहयोग प्रदान करे। यदि हमारी उक्त मांगों पर 7 दिवस में कोई सकारात्मक परिणाम नजर नहीं आए तो हमें इस गंभीर हो चुकी समस्या के निराकरण के लिए पीड़ित पक्षों के साथ उग्र आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा, जिसकी सारी जवाबदारी प्रशासन की होगी।

सिलाई केंद्र के संचालन से महिलाऐ सिलाई हेतू प्रशिक्षित एवं आत्मनिर्भर होगी- विधायक सखलेचा

आजीविका सिलाई केंद्र का शुभारंभ विधायक ओमप्रकाश सकलेचा के मुख्य आथित्य मे हुआ

जावद। विधायक ओमप्रकाश सखलेचा के मुख्य आथित्य मे मंगलवार दोपहर को ग्राम मोरवन के विरेन्द्र कुमार सखलेचा सामुदायिक भवन मे महिलाओ के लिए महती योजना आजीविका सिलाई केंद्र का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मिली विस्तृत जानकारी के अनुसार विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने अपने पिछले कार्यकाल मे ही महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने की केंद्र और प्रदेश सरकार की योजना के तहत अपनी निधी से मोरवन मे आजीविका सिलाई केंद्र संचालन हेतू 21 सिलाई मशीनो की राशी स्वीकृत की थी पूर्व की स्वीकृती के आधार पर सिलाई केंद्र हेतू 21 सिलाई मशीने मंगवाकर मंगलवार को मोरवन मे आजीविका सिलाई केंद्र का भव्य शुभारंभ हुआ कार्यक्रम लोकप्रिय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा के मुख्य आथित्य मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अथिति बोलते हुए विधायक सखलेचा ने कहा की हमारी केंद्र और प्रदेश की सरकार महिलाओ की उन्नती एवं प्रगति के लिए सभी संभव प्रयास कर रही है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो महिलाओ की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए अपनी शपथ के दो दिन बाद से ही काम करना शुरू कर दिया और महिलाओ को सम्मान के साथ आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाऐ बनाते हुए उन योजनाओ के माध्यम से काम करते हुए हमारे देश की महिलाओ को सजग और जागृत बनाने का काम किया है। इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने महिलाओ के लिए चलाई जा रही योजनाओ की जानकारी उपस्थित महिलाओ को देते हुए कहा की मोरवन मे आजीविका सिलाई केंद्र शुरू होने से यहां की बहने सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त करेगी और आत्मनिर्भर होकर अपनी आजिविका चलाएगी ओर आगे बढ़ेगी। इस कार्यक्रम मे विधायक ओमप्रकाश सखलेचा के साथ मोरवन भाजपा मंडल अध्यक्ष अर्जुन माली, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मीना जायसवाल, भाजपा मंडल महामंत्री कैलाश सोनी, भाजपा जिला मंत्री दिनेश अहिर, भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष गुंजन कुंवर, किसान मोर्चा जिला महामंत्री रामनारायण राठोर सहित स्व सहायता समूहों की महिलाएं एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

Save Water
Save Tree

योजना क्रमांक 34 में अवैध अतिक्रमण पर नपा का चला बुलडोजर

वीआईपी दुकाने बनाकर किया अवैध कब्जा, नपा ने कार्यवाही कर ध्वस्त की पांच दुकाने

नीमच। शहर के टीवीएस चौराहे से ग्वालटोली चौराहे के बीच स्थित पाटीदार छात्रावास के सामने योजना क्रमांक 34 में नगर पालिका ने सोमवार को अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

जिसमें अवैध रूप से कब्जा कर पांच दुकानों का निर्माण किया गया था। और पक्का निर्माण कर ऑफिस, गैरेज सहित अन्य दुकानें संचालित की जा रही थी। जिसकी शिकायत कलेक्टर दिनेश जैन तक पहुँची। जिसके बाद कलेक्टर के निर्देश पर नगर पालिका का अमला योजना क्रमांक 34 में 411 पर मौके पर पहुँचा। जिसके बाद अवैध निर्माण को हटाया गया।

नगर पालिका ने गुमटियों सहित सामग्री को जप्त किया। नपा ने एक बुलडोजर व चार ट्रैक्टर की सहायता से कार्यवाही करते हुए पांच टीनशेड की बनी वीआईपी दुकानों को जमीनदोज किया। बताया जा रहा हैं कि अवैध कब्जा कर निर्माण असलम दादा नाम के व्यक्ति ने किया था। जिसने पांचों दुकानों को किराए पर दे रखी थी। जिसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन व कलेक्टर दिनेश जैन को हुई। जिसके बाद नपा ने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की। कार्यवाही करने के दौरान आरओ टेकचंद बुनकर, हेमंत सिसोदिया, हेमंत कलोसिया सहित नपा के कर्मचारी मौजूद रहे।

इनका कहना

योजना क्रमांक 34 में 411 पर अवैध अतिक्रमण किया हुआ था। जिसकी कलेक्टर साहब को शिकायत मिली थी। जिनके निर्देश पर नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

टेकचंद बुनकर, आरओ नपा

पटवारी पद के लिए चयनित अभ्यर्थियों की नीमच में काउंसलिंग 24 फरवरी को

अभ्यर्थियों को मोबाईल,व्हाटसअप ग्रुप एवं मेल से दी गई काउंसलिंग की सूचना दस्तावेजों के सत्यापन के लिए विभिन्न समितियां गठित

नीमच। म.प्र.कर्मचारी चयन मण्डल व्दारा पटवारी भर्ती परीक्षा 2022 का परिणाम जारी कर दिया गया है। परिणाम मण्डल की वेब साईड https://esb.mp.gov.in पर उपलब्ध है। इस परीक्षा के संबंध में नीमच जिले के लिए चयनित सभी 64 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग कलेक्टर दिनेश जैन एवं एडीएम सुश्री नेहा मीना के निर्देशन में शासकीय स्वामी विवेकानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनासा रोड नीमच पर 24 फरवरी 2024 को आयोजित की जा रही है। काउंसलिंग संबंधी विस्तृत दिशा निर्देश एमपी ऑनलाईन के पोर्टल https://prc.mponline.go.in पर उपलब्ध है। इस लिंक पर जाकर अभ्यर्थी अपना प्रोफाईल क्रिएट कर अपने दस्तावेज अपलोड कर सकते है।

काउंसलिंग में शामिल होने के लिए सभी 64 अभ्यर्थियों का व्हाट्सअप ग्रुप बनाकर, उन्हें सूचना दी गई है। साथ ही ई-मेल, मोबाईल कॉल एवं सूचना पत्र के माध्यम से भी सभी अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के संबंध में सूचित किया गया है। यह जानकारी देते हुए भू-अभिलेख प्रभारी अधिकारी सुश्री प्रीति संघवी ने बताया कि पटवारी भर्ती परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों के जाति प्रमाण पत्र, विकलांगता का प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों के सत्यापन के लिए कलेक्टर एवं एडीएम के निर्देशन में पृथक-पृथक समितियां गठित की गई है। संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रीति संघवी ने नीमच जिले के लिए चयनित पटवारी पद के अभ्यर्थियों को अपने मूल दस्तावेज एवं उनकी दो स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ 24 फरवरी 2024 को शासकीय स्वामी विवेकानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनासा रोड नीमच पर आयोजित काउंसलिंग में उपस्थित होने के लिए सूचित किया है। यदि अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को उपस्थित ना होकर, काउंसलिंग में शामिल नहीं होता है, तो उक्त पद को रिक्त माना जाकर, अभ्यर्थी की उम्मीदवारी जिले के लिए निरस्त मानी जावेगी।

उन्होने सभी चयनित पटवारी अभ्यर्थियों से अपने सभी दस्तावेजों के साथ शासकीय स्वामी विवेकानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनासा रोड नीमच पर आयोजित काउंसलिंग में भाग लेने का आगृह किया है।

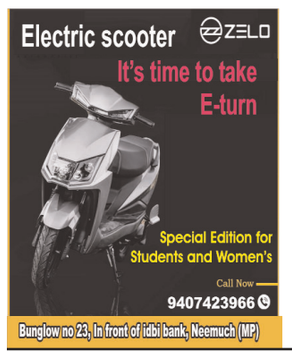

श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर पर 3 दिवसीय भव्य शिवरात्रि मेला का होगा आयोजन

झूले चकरी, खानपान सहित अनेक दुकाने लगेगी

नीमच। नगर के अतिप्राचीनतम व आस्था के केंद्र भूतभावन भगवान श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व पर 7 मार्च से 9 मार्च तक 3 दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले का विधिवत शुभारंभ आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति में दिनांक 7 मार्च गुरुवार को होगा। 8 मार्च शुक्रवार को बाबा भूतेश्वर महादेव का अभिषेक व फूलों से शाही श्रृंगार के दिनभर विभिन्न आयोजन होगें।

गत वर्ष प्रथम बार सफलतम दो दिवसीय मेले के आयोजन के बाद इस वर्ष भी भगवान भूतेश्वर महादेव मंदिर पर तीन दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे बच्चों के मनोरंजन हेतु झूले चकरी, मिक्की माउस व खान-पान के स्टॉल लगाई गई है। खिलौने, प्लास्टिक सामान, ज्वेलरी शॉप, मनिहारी सहित अनेकों दूकानें आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। मेले में लगने वाली दुकानों का आवंटन करवाने के लिए मेला संचालक अश्विन डांगी से मो. नं. 9713668911 पर संपर्क करें।

गोलीकांड मामले के सभी आरोपियों को भेजा जेल

नीमच। समाजसेवी अशोक अरोरा गोलीकांड मामले में मास्टर माइंड बाबू सिंधी सहित सभी आठ आरोपियों की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से सभी को कनावटी जैल भेजने के आदेश न्यायालय ने दिए। अब इन सभी आठ आरोपियों को जिला जेल कनावटी में दाखिल किया जाएगा।

जानकारी अनुसार राकेश अरोरा की ओर से एक आवेदन न्यायालय में दिया गया था। जिसमे उन्होंने खुद को जान का खतरा होने की बात कहीं, और दुसरे जेल में भेजने का आग्रह किया।

मामले के संबंध में एएसपी नवल सिंह सिसौदिया से चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि, सभी आरोपियों को न्यायालय की और से जेल भेजने के आदेश है। राकेश अरोरा की ओर से दिए गए आवेदन से पहले ही न्यायालय के जेल वारंट के आदेश आ गए।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

क्रिकेट जगत में फैली शोक की लहर, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी और कोच का 77 की उम्र में हुआ निधन

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी और कोच माइक प्रोक्टर का 77 की उम्र में निधन हो गया। प्रोक्टर को दिल का दौरा पड़ा था जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई थी। हालांकि सर्जरी के दौरान कुछ दिक्कत हुई और प्रोक्टर को आईसीयू में भर्ती कराया गया। माइक प्रोक्टर की हालत में सुधार नहीं हो सका और उनका निधन हो गया। माइक प्रोक्टर ने सात टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया।

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी और कोच माइक प्रोक्टर का 77 की उम्र में निधन हो गया। प्रोक्टर के निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर फैल गई है। माइक प्रोक्टर दक्षिण अफ्रीका के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में से एक थे। प्रोक्टर अलगाव के बाद के युग में दक्षिण अफ्रीका के पहले कोच थे। माइक प्रोक्टर का फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्होंने 401 फर्स्ट क्लास मैचों में 21,936 रन बनाए और 1,417 विकेट लिए। जानकारी मिली है कि 77 साल के प्रोक्टर को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके लिए उनकी सर्जरी कराई गई थी। सर्जरी के दौरान कुछ दिक्कत हुई, जिसके बाद प्रोक्टर को आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा।

पत्नी ने बताई सच्चाई

माइक प्रोक्टर की पत्नी मरायना ने दक्षिण अफ्रीकी वेबसाइट न्यूज24 को बताया, %%माइक प्रोक्टर को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके लिए सर्जरी कराई थी। सर्जरी के दौरान प्रोक्टर को कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण आईसीयू में भर्ती किया गया। वो बेसुध हुए और दुर्भाग्यवश दोबारा आंख नहीं खोली।

प्रोक्टर ने खेले सात टेस्ट

माइक प्रोक्टर का अंतरराष्ट्रीय करियर तीन साल (1967-1970) का रहा। इस दौरान उन्होंने सात टेस्ट मैच खेले और इसमें से छह में जीते। क्रिकेट जगत में अपनी गेंदबाजी शैली के लिए लोकप्रिय प्रोक्टर ने फैंस को प्रभावित किया जब 15.02 की औसत से 41 विकेट लिए।

हालांकि, प्रोक्टर के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर पर 1970 में ब्रेक लग गया जब रंगभेदी सरकार के कारण दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध लगा। इस समय दक्षिण अफ्रीका किसी भी क्रिकेट गतिविधि में शामिल नहीं हो पाया। भले ही प्रोक्टर का अंतरराष्ट्रीय करियर बेहतरीन नहीं रहा हो, लेकिन उनके फर्स्ट क्लास नंबर बेहतरीन रहे हैं।

16 साल का फर्स्ट क्लास करियर

माइक प्रोक्टर ने 16 साल फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेला। इसमें 14 सीजन इंग्लिश काउंटी के रहे। ग्लोसेस्टरशायर टीम की उन्होंने पांच साल कप्तानी भी की। फर्स्ट क्लास करियर में प्रोक्टर ने 48 शतक और 109 अर्धशतक जड़े। माइक प्रोक्टर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट इतिहास के अकेले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने एक घरेलू सत्र में 500 रन बनाए और 50 विकेट चटकाए।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट में वापसी

अपने करियर के 22 साल बाद माइक प्रोक्टर ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट में वापसी की और 1992 वर्ल्ड कप में राष्ट्रीय टीम की कोचिंग की। दक्षिण अफ्रीका ने 1992 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक सफर तय किया। इसके बाद वो आईसीसी का हिस्सा बने और मैच रेफरी की भूमिका निभाई। प्रोक्टर ने दक्षिण अफ्रीका के चयनकर्ता संयोजक की भूमिका भी अदा की।

Pradosh Vrat 2024: प्रदोष व्रत के दिन न करें ये काम, वरना जीवन भर रहेंगे परेशान

प्रदोष (Magh Budh Pradosh Vrat 2024) का व्रत करने से सभी इच्छाएं पूरी होती हैं जो साधक इस दिन कठिन उपवास का पालन करते हैं उन्हें भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है। इस माह का दूसरा प्रदोष व्रत 21 फरवरी को रखा जाएगा। इस व्रत के कई सारे नियम बनाए गए हैं जिनका पालन करना बेहद जरूरी है।

नई दिल्ली। Magh Budh Pradosh Vrat 2024: शिव पुराण के अनुसार, हर महीने की त्रयोदशी तिथि जब भगवान शंकर अपनी प्रसन्न मुद्रा में नृत्यु करते हैं और इसी दिन प्रदोष व्रत रखा जाता है। इस दिन का उपवास करने वालों की सभी मुरादें पूरी होती हैं, जो भक्त इस दिन कठिन व्रत का पालन करते हैं उन्हें भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है। इस माह का दूसरा प्रदोष व्रत 21 फरवरी, 2024 को रखा जाएगा।

इस व्रत को लेकर ज्योतिष शास्त्र में कई सारे नियम बनाए गए हैं, जिनका पालन करना बहुत जरूरी होता है।

इस दिन रखा जाएगा प्रदोष व्रत

हिंदू पंचांग के अनुसार, फरवरी महीने का दूसरा प्रदोष व्रत 21 फरवरी, 2024 दिन बुधवार को रखा जाएगा। माघ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 21 फरवरी प्रातः 11 बजकर 27 मिनट पर शुरू होगी। साथ ही इसका समापन 22 फरवरी, 2024 दोपहर 01 बजकर 21 मिनट पर होगा।

प्रदोष व्रत के दिन न करें ये काम

प्रदोष व्रत के दिन पूजा के दौरान भगवान शिव को सिन्दूर, हल्दी, तुलसी, केतकी और नारियल का जल भूलकर भी न चढ़ाएं। ऐसा करने से भोलेनाथ रुष्ट होते हैं।

प्रदोष व्रत के दिन महिलाओं को शिवलिंग स्पर्श नहीं करना चाहिए। इससे देवी पार्वती के प्रकोप का सामना करना पड़ता है।

इस दिन तामसिक भोजन जैसे - शराब , मांस, प्याज, लहसुन आदि का सेवन नहीं करना चाहिए।

इस दिन किसी का भी अपमान करने से बचना चाहिए।

प्रदोष व्रत के दिन देर तक नहीं सोना चाहिए।

व्रतियों को अन्न, चावल और नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। प्रदोष व्रत के दिन काले वस्त्र पहनने से बचना चाहिए।

मो. सिराज ने तोड़ा इंग्लैंड का गुरूर, दिनेश कार्तिक को लेकर दिया ऐसा बयान कि हर किसी की छूट गई हंसी!

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीसरे दिन के खेल क बाद कहा कि बेन डकेट के साथ जो रूट साझेदारी बढ़ रही थी अगर वह थोड़ा और खेलते तो हमारे लिए मुश्किल हो जाती। लेकिन अचानक उन्होंने उस तरह का शॉट खेला जो वह नहीं खेलते है। यह हालांकि हमारे लिए फायदेमंद रहा और हम मैच में वापसी करने में सफल रहे।

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड (IND vs ENG) के बीच तीसरा टेस्ट मैच राजकोट में खेला जा रहा है। तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के खेल में भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी की। तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी को 319 रन के स्कोर पर रोकने में सिराज का अहम योगदान रहा। भारत ने पहली पारी के आधार पर 126 रन की बढ़त हासिल की।

इसके बाद दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के 104 शतक और गिल के अर्धशतक (65) रन की नाबाद पारी के दम पर भारत ने 196 रन बनाए। इस दौरान भारत के पास 322 रन की बढ़त बनी। सिराज ने दिन का खेल खत्म होने के बाद कमेंटेटर्स से बातचीत करते हुए भारत की प्लानिंग का खुलासा किया। सिराज ने दिनेश कार्तिक से भी हंसी-मजाक किया और एक ऐसा बयान दिया, जिसके बाद हर कोई हंसने लगा। आइए जानते हैं सिराज ने क्या कहा?

Mohammed Siraj ने तीसरे दिन के खेल के बाद क्या कहा?

दरअसल, भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीसरे दिन के खेल क बाद कहा कि बेन डकेट के साथ जो रूट साझेदारी बढ़ रही थी, अगर वह थोड़ा और खेलते तो हमारे लिए मुश्किल हो जाती। लेकिन अचानक उन्होंने उस तरह का शॉट खेला जो वह नहीं खेलते है। यह हालांकि हमारे लिए फायदेमंद रहा और हम मैच में वापसी करने में सफल रहे। मोहम्मद सिराज से दिनेश कार्तिक ने पूछा कि दूसरे टेस्ट में वह नहीं खेले थे तो उन्होंने क्या किया। सिराज ने कहा कि कुछ नहीं परिवार के साथ था। एंजॉय किया। पांच दिन ब्रेक था। उसके बाद ट्रेनिंग शुरू हुई। जो ट्रेनिंग भेजी गई उस पर काम किया। बॉलिंग की और घर पर बैठकर टेस्ट मैच भी देखा। बुमराह की यॉर्कर भी याद आ रही थी। फिर मैंने सोचा कि सही टाइम है यॉर्कर डालने का। जो सोचा वो किया और विकेट भी मिली। इसके बाद कार्तिक ने कहा कि बहुत अच्छा मियां। आपने मुझे सर कहा। अगले दो महीने के लिए ऐसा ही मेंटेन करो। अच्छी बात है। बहुत बढ़िया गेंदबाजी की। सिराज यह सुनकर अपनी हंसी नहीं रोक पाए, लेकिन कार्तिक को जवाब देते हुए कहा कि शुक्रिया डीके भाई। आरसीबी में मिलते हैं। उनके बयान के बाद कार्तिक भी हंसने लगे और हर कोई हंस गया। सिराज ने यह जिक्र कर दिया कि आईपीएल 2024 में दिनेश कार्तिक आरसीबी के लिए खेलेंगे।

PSL 2024: शादाब खान की टीम ने जीत के साथ किया टूर्नामेंट का आगाज, लाहौर कलंदर्स को 8 विकेट से दी मात

पाकिस्तान सुपर लीग 2024 का आगाज 17 फरवरी 2024 से हुआ। पीएसएल 2024 के ओपनिंग मैच में इस्लामाबाद यूनाइटेड का सामना लाहौर कलंदर्स से हुआ जिसमें इस्लामाबाद की टीम को 8 विकेट से जीत मिली। इस्लामाबाद यूनाइटेड ने 10 गेंद शेष रहते हुए 196 रन के लक्ष्य को हासिल किया और जीत के साथ क्करु के टूर्नामेंट का आगाज किया।

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग 2024 (PSL 2024) का आगाज 17 फरवरी 2024 से हुआ। पीएसएल 2024 के ओपनिंग मैच में इस्लामाबाद यूनाइटेड का सामना लाहौर कलंदर्स (Islamabad United vs Lahore Qalandars) से हुआ, जिसमें इस्लामाबाद की टीम को 8 विकेट से जीत मिली। इस्लामाबाद यूनाइटेड ने 10 गेंद शेष रहते हुए 196 रन के लक्ष्य को हासिल किया और जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज किया।

PSL 2024: ओपनिंग मैच में शाहीन अफरीदी की टीम को मिली करारी हार

पहले बैटिंग करते हुए लाहौर कलंदर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। टीम की तरफ से साहिबजादा फरहान ने 36 गेंदों पर 57 रन की पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। फखर जमान ने 13 गेंदों पर 13 रन बनाए। रासी वान दस दुसें ने 41 गेंदों पर 71 रन की नाबाद पारी खेली। अब्दुल्लाह शफीक ने 28 रन बनाए। वहीं, इस्लामाबाद यूनाइटेड टीम की तरफ से गेंदबाजी करते हुए टिमल मिल्स ने 2 विकेट और नसीम शाह और शादाब खान को 1-1 विकेट मिला।

PSL 2024: इस्लामाबाद यूनाइटेड ने 8 विकेट से जीता मुकाबला

196 रन का पीछा करते हुए इस्लामाबाद यूनाइटेड ने शादाब खान (74) और अगा सलमान (64) रन की नाबाद पारी के दम पर 2 विकेट के नुकसान पर 10 गेंद पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया। शादाब खान ने 41 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल हे। अगा ने 31 गेंदों पर 64 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 206 का रहा।

पर्सनल खर्चों को पूरा करने में काम आते हैं Instant Personal Loans, लेकिन; इन बातों को भूलकर भी न करें नजरअंदाज

सवाल यह आता है कि पर्सनल लोन क्या होता है। इंस्टेंट पर्सनल लोन को एक तरह के असुरक्षित लोन की तरह समझ सकते हैं। इसकी जरूरत व्यक्ति को अपने पर्सनल खर्चों की पूरा करने के लिए पड़ती है। अस्तपताल का बिल चुकाने से लेकर वैकेशन और नए फोंसी गैजेट के खर्चे के लिए इस तरह का लोन लिया जाता है।

नई दिल्ली। जरूरतों को पूरा करने के लिए कई बार पैसे की कमी पड़ जाती है। कमजोर आर्थिक स्थिति के बीच ही व्यक्ति लोन लेने के विकल्प पर जाता है। लोन आपकी पर्सनल जरूरतों के लिए भी लिया जा सकता है। इस तरह की जररूत के लिए पर्सनल लोन की सुविधा मौजूद होती है।

क्या होता है पर्सनल लोन

सवाल यह आता है कि पर्सनल लोन होता क्या है। पर्सनल लोन को एक तरह के असुरक्षित लोन की तरह समझ सकते हैं। इसकी जरूरत व्यक्ति को अपने पर्सनल खर्चों की पूरा करने के लिए पड़ती है। अस्तपताल का बिल चुकाने से लेकर वैकेशन और नए फोंसी गैजेट के खर्चे के लिए इस तरह का लोन लिया जाता है।

कैसे मिलता है पर्सनल लोन

एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई जैसे बैंक इंस्टेंट पर्सनल लोन की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, कई गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (NBFC) जैसे बजाज फिनसर्व, आईआईएफएल फाइनेंस और क्रेडी भी लोन की सुविधा देती हैं।

पर्सनल लोन के लिए ये बातें जरूरी

लोन लेने ही नहीं चुकाने की क्षमता का आकलन किया जाना जरूरी है। मासिक किस्तों और कुल ब्याज का अनुमान लगाने के लिए लोन ईएमआई कैलकुलेटर इस्तेमाल करें। लोन पेमेंट को अपने बजट के अंदर लाने पर ध्यान दें।

लोन एग्रीमेंट को ध्यान से पढ़ें। किसी भी तरह के छुपे हुए चार्ज (Hidden Charges), देरी से भुगतान, प्रीपेमेंट की सुविधा को लेकर सारी जानकारियां ठीक से चेक करें। धोखाधड़ी से सतर्क रहें। कम ब्याज दर और अच्छे लगने सौदों को लेकर ज्यादा सावधानी बरतें।

ऋणदाता की वैधता की पुष्टि करें। अपना क्रेडिट स्कोर जानें। ऋण पात्रता और ब्याज दर आपके क्रेडिट स्कोर से प्रभावित होते हैं। क्रेडिट रिपोर्ट की जांच समय से करवा लें। स्कोर बढ़ाने के ऑप्शन पर जाएं। यह स्कोर 700 से ऊपर हो तो ही लोन लेने की सलाह दी जाती है।

अपनी फाइनैंशियल जरूरत को समझें। खुद से सवाल करें कि क्या हकीकत में लोन लेना ही एकमात्र उपाय होगा। इसके बजाय, बचत या इंतजार करने के ऑप्शन पर जा सकते हैं।

लोन से ज्यादा किफायती विकल्पों को खोजें।

क्यों किया जाता है व्रत के दौरान सात्विक भोजन? जानिए इसका महत्व

नई दिल्ली। हिंदू धर्म में उपवास का बड़ा महत्व है। इस दौरान सात्विक आहार का पालन करने की सलाह दी जाती है, जिसके कई सारे फायदे और नियम हैं। ऐसा कहा जाता है कि व्रत के दौरान सात्विक रहना बेहद जरूरी होता है, वरना व्रत का प्रभाव समाप्त हो जाता है। क्यों किया जाता है व्रत के दौरान सात्विक भोजन व्रत के दौरान सात्विक आहार लेने से साधक की पवित्रता, संतुलन और सद्भाव बना रहता है। साथ ही यह भोजन स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए पर्याप्त ऊर्जा प्रदान करता है। यह भोजन पूर्ण रूप से शुद्ध माना जाता है।और यह मन को निर्मल बनाए रखने में भी मदद करता है, जो आध्यात्मिक अभ्यास के साथ - साथ ध्यान के लिए बहुत जरूरीहै।

सात्विक भोजन

सात्विक भोजन में फल, डेयरी प्रोडक्ट्स, मेवा, साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, आलू, मूंगफली, मावे की मिठाई, आदि चीजें शामिल हैं। इसमें तली-भुनी चीजों को शामिल नहीं किया गया हैं।

तामसिक भोजन

तामसिक भोजन में लहसुन, प्याज, मांस, मसालेदार और खमीर उठी हुई आदि चीजों को शामिल किया गया है। इनका सेवन करने से जातक जड़ता, भ्रम और भटकाव महसूस करता है। साथ ही व्यक्ति का पूर्ण क्षीण हो जाता है।

कंपनी चाहे भारत की हो या विदेश की, देश के कानूनों का पालन करना है जरूरी, Paytm मामले से लें Fintech कंपनियां सीख

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड मामले को लेकर मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी चाहे वह भारत की हो या विदेश की बड़ी हो या छोटी उसे देश के कानूनों का पालन करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पीपीबीएल को 15 मार्च से नई जमा स्वीकार करने से रोक दिया है। कंपनी के खिलाफ अपनी कार्रवाई की किसी भी समीक्षा से इनकार भी कर दिया है।

नई दिल्ली। इन दिनों पेटीएम पेमेंट बैंक का मुद्दा हर किसी के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी कड़ी में पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात रखी। मंत्री ने कहा कि यह एक एक मामला है, जो दिखाता है कि उद्यमी नियमों का पालन करने की जरूरत को नजरअंदाज करते हैं। कोई भी कंपनी कानूनों का बिना पालन किए काम नहीं कर सकती है।

फिनटेक कंपनियां भी लेंगी सीख

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर रिजर्व बैंक की नियामक कार्रवाई ने फिनटेक कंपनियों का ध्यान कानूनों के पालन के महत्व की ओर आकर्षित किया है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नियमों का पालन कंपनियों के लिए वैकल्पिक नहीं हो सकता है, बल्कि यह एक ऐसा पहलू है जिस पर प्रत्येक उद्यमी को पूरा ध्यान देना चाहिए।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड मामले को लेकर मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी, चाहे वह भारत की हो या विदेश की, बड़ी हो या छोटी, उसे देश के कानूनों का पालन करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पीपीबीएल को 15 मार्च से नई जमा स्वीकार करने से रोक दिया है। कंपनी के खिलाफ अपनी कार्रवाई की किसी भी समीक्षा से इनकार भी कर दिया है।

फिनटेक कंपनियों की बढ़ी चिंता

चन्द्रशेखर ने कहा कि यह धारणा कि पीपीबीएल पर आरबीआई की कार्रवाई ने फिनटेक को परेशान कर दिया है। राजनेता, उद्यमी और टेक्नोक्रेट इस बात से असहमत थे कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक मुद्दे ने पूरे फिनटेक उद्योग के लिए हानिकारक परिणामों के बारे में चिंता बढ़ा दी है। मुझे लगता है कि इसने फिनटेक उद्यमियों का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया है कि आपको यह भी जानना होगा कि कानून का अनुपालन कैसे करना है। चन्द्रशेखर ने आगे कहा कि उद्यमी आम तौर पर जो कुछ भी बना रहे हैं उस पर इतना ध्यान केंद्रित करते हैं कि कभी-कभी, वे नियामकों द्वारा निर्धारित नियमों की अनदेखी कर सकते हैं।

पेटीएम क्यूआर कोड करता रहेगा काम

आरबीआई ने शुक्रवार को जारी एफएक्यू (अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न) की सूची में स्पष्ट किया कि दूसरे बैंक से लिंक्ड पेटीएम क्यूआर कोड, पेटीएम साउंडबॉक्स या पेटीएम पीओएस टर्मिनल 15 मार्च के बाद भी काम करना जारी रखेंगे। फिनटेक फर्म वन97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम के मालिक) ने इस बीच कहा कि उसने अपना नोडल खाता पेटीएम पेमेंट्स बैंक से एक्सिस बैंक में ट्रांसफर कर दिया है। इस कदम के साथ 15 मार्च की समय सीमा के बाद पेटीएम क्यूआर, साउंडबॉक्स, कार्ड मशीन की निरंतरता की अनुमति देगा।

Senior Citizen को मिलती है 80TTB के तहत टैक्स की छूट, जानें कितनी है लिमिट

ञड्ड× छ्वद्यड्डठ्ठद्बठ्ठद्द फाइनेंशियल गोल को पूरा करने के लिए टैक्स प्लानिंग बहुत जरूरी हो गया है। अक्सर इनकम टैक्स रिटर्न फाइल (ढ्ढञ्जक्र) करते वक्त लोग टैक्स कटौती के ऑप्शन सर्च करते हैं। ऐसे में आज हम बताएंगे कि सीनियर सिटीजन इनकम टैक्स एक्ट 80ञ्जञ्जक्रऔर 80ञ्जञ्ज के तहत कैसे और कितना टैक्स बेनिफिट का लाभ उठा सकते हैं।

नई दिल्ली। Ta× Planning: टैक्स प्लानिंग के जरिये हम इस बात को सुनिश्चित कर सकते हैं कि हम कहां निवेश करें जिस से हम ज्यादा से ज्यादा टैक्स को सेफ कर सकते हैं।कई लोग टैक्स भुगतान या रिटर्न फाइल करते समय इसके बारे में सोचते हैं पर आज हम आपको बताएंगे कि सीनियर सिटीजन इनकम टैक्स एक्ट के 80ञ्जञ्जक्रऔर 80ञ्जञ्ज के तहत कैसे और कितना टैक्स बेनिफिट का लाभ उठा सकते हैं।

80TTB और 80TTA में क्या है अंतर

आयकर अधिनियम के 80ञ्जञ्जक्रऔर 80ञ्जञ्ज दोनों धारा में हम टैक्स बेनिफिट का लाभ उठा सकते हैं, लेकिन इन दोनों धारा नें अंतर है। बता दें कि धारा आयकर अधिनियम के 80ञ्जञ्ज के तहत 60 वर्ष से कम आयु वाले करदाता और हिंदू अविभाजित परिवार (॥स्न) केवल बैंक, सहकारी बैंक या फिर पोस्ट ऑफिस के सेविंग अकाउंट पर 10,000 रुपये तक की ब्याज कटौती का लाभ पा सकते हैं। बता दें कि इस धारा का लाभ वरिष्ठ करदाताओं को नहीं मिलता है। वहीं, आयकर अधिनियम के 80ञ्जञ्जक्रके तहत 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले टैक्सपेयर्स जो कि भारतीय निवासी है वह पोस्ट ऑफिस, सहकारी बैंक, बैंक से अर्जित ब्याज पर 50,000 रुपये की कटौती का दावा कर सकते हैं। इसमें सेविंग डिपॉजिट के साथ एफडी डिपॉजिट पर भी अर्जित ब्याज पर भी लागू होता है।

यह प्रमुख बातें है जरूरी

टैक्स कटौती के लिए आवेदन देने से पहले करदाता को कुछ मुख्य

बिंदुओं को अवश्य जान लेने की जरूरत है। चलिए, टैक्स डिडक्शन के लिए अप्लाई करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। वरिष्ठ नागरिक में वह होते हैं जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे ज्यादा होती है। सेविंग बैंक अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज पर ही टैक्स बेनिफिट मिलता है। सहकारी भूमि विकास बैंक जो कि सहकारी समिती से जुड़ी है उसनें जमा राशि के ब्याज पर ही टैक्स छूट का लाभ मिलेगा।

पोस्ट ऑफिस के अकाउंट में जमा राशि पर मिलने वाले इन्टरेस्ट पर टैक्स डिडक्शन का लाभ उठा सकते हैं। बैंक सीनियर सिटीजन 50,000 रुपये तक की जमा राशि पर टीडीएस (ञ्जष्ठस्) नहीं काट सकती है। सीनियर सिटीजन 80ञ्जञ्जक्रके तहत 50,000 रुपये तक का टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। अगर वरिष्ठ नागिरक को 50,000 रुपये से ज्यादा का ब्याज मिलता है तब उन्हें टैक्स स्लैब के आधार पर कर का भुगतान करना होगा। कंपनी के एफडी या बांड पर 80ञ्जञ्जक्रके तहत कोई टैक्स बेनिफिट का लाभ नहीं मिलता है।

Gautam Gambhir को IPL में था इस खिलाड़ी का खौफ, खुद किया खुलासा

आईपीएल 2024 सीजन से पहले स्टार स्पोर्ट्स के साथ एक बातचीत में गंभीर ने खुलासा किया कि वह रोहित शर्मा थे जिनके बारे में वह ज्यादातर समय सोचते थे। गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा के साथ मैच को लेकर उनकी रातों की नींद उड़ जाती थी। गंभीर ने यह भी कहा कि रोहित को रोकना बहुत मुश्किल होता था।

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर ने उस बल्लेबाज के नाम का खुलासा किया है, जिससे वह इंडियन प्रीमियर लीग के दिनों में सबसे ज्यादा डरते थे। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए दो बार आईपीएल जीतने वाले गंभीर ने कहा है कि उन्हें आईपीएल के दिग्गज क्रिस गेल और एबी डिविलियर्स का डर नहीं था। आईपीएल 2024 सीजन से पहले स्टार स्पोर्ट्स के साथ एक बातचीत में, गंभीर ने खुलासा किया कि वह रोहित शर्मा थे, जिनके बारे में वह ज्यादातर समय सोचते थे। गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा के साथ मैच को लेकर उनकी रातों की नींद उड़ जाती थी। गंभीर ने यह भी कहा कि रोहित को रोकना बहुत मुश्किल होता था।

Tourist Places in Delhi: इन 5 जगहों के बिना अधूरी है दिल्ली की सैर, वीकेंड पर बना सकते हैं घूमने का प्लान

नई दिल्ली। Tourist Places in Delhi: देश की राजधानी दिल्ली का इतिहास सैकड़ों साल पुराना है। यहां घूमने के लिए कई ऐतिहासिक जगह मौजूद हैं। सिर्फ देश ही नहीं, विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां के पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। ऐसे में आपको भी यहां अपने दोस्तों या फैमिली के साथ एक बार जरूर विजिट करना चाहिए। आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं, ऐसे ही पांच डेस्टिनेशन्स, जिनके दीदार का सपना विदेशी भी रखते हैं।

अक्षरधाम मंदिर

दिल्ली का अक्षरधाम मंदिर काफी फेमस है। इसे स्वामीनारायण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। स?वामी नारायण संप्रदाय का यह मंदिर, हिंदू धर्म और इसकी प्राचीन संस्कृति को दिखाता है। इसका उद्घाटन 6 नवंबर, 2005 में किया गया था और 8 नवंबर, 2005 से इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया था। यहां आप बोट राइड, लाइट शो, थियेटर और कई कल्चरल प्रोग्राम्स का आनंद उठा सकते हैं।

इंडिया गेट

कर्तव्यपथ पर स्थित इंडिया गेट भारत के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों में से एक है। यहां आपको सुबह से लेकर शाम तक, बड़ी संख्या में लोग घूमते नजर आ जाएंगे।

इसका निर्माण 1931 से 1933 के बीच किया गया था, इसकी ऊंचाई की बात करें, तो ये करीब 42 मीटर है। वीकेंड पर दोस्तों, फैमिली और बच्चों के साथ यहां विजिट करके आप खूब एंजॉय कर सकते हैं।

कुतुब मीनार

कुतुब मीनार भी दिल्ली की खूबसूरत जगहों में से एक है। 73 मीटर ऊंची ये मीनार यूनेस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है। इसके दीदार के लिए देश ही नहीं, दुनियाभर से पर्यटक पहुंचते हैं। आपको भी यहां जरूर विजिट करना चाहिए।

लाल किला

दिल्ली मुगल बादशाहों की राजधानी रह चुकी है। लाल किले को 1638 से 1648 के बीच मुगल सम्राट शाहजहां ने बनवाया था। आप यहां संग्राहलय और पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़ी कई चीजें देख सकते हैं।

इसकी लाल दीवारों के कारण, शाम की वक्त यहां एक अलग ही खूबसूरती झलकती है, जिसका दीदार आपको भी एक बार जरूर करना चाहिए।

लोटस टेंपल

लोटस टेंपल देखने में कमल के फूल की तरह नजर आता है, जिसे संगमरमर की 27 पंखुड़ियों से बनाया गया है। इसका निर्माण 1986 में किया गया था। इसे %बहाई मंदिर% के नाम से भी जाना जाता है।

इसकी तुलना ऑस्ट्रेलियाई शहर सिडनी स्थित ओपेरा हाउस से भी की जाती है। यहां आपको चारों ओर हरियाली ही हरियाली दिखाई देगी, जो आपका मन मोह लेगी।

इस मंदिर में आपको किसी भगवान की मूर्ति नहीं मिलेगी। यहां के शांत वातावरण में आप अपनी-अपनी आस्था से जुड़ी मानसिक उपासना कर सकते हैं।

Honey Benefits: मुहांसे हो या झुर्रियां, स्किन की कई परेशानियों को दूर करेगा शहद

शहद सेहत के लिए काफी लाभदायक होता है। इसलिए कई डिशेज में इसका इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसके फायदे यहीं खत्म नहीं होते हैं। यह स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। स्किन पर इसके इस्तेमाल से कई परेशानियों से दूर करने में मदद मिल सकती है। जानें त्वचा पर शहद इस्तेमाल करने से क्या फायदे मिल सकते हैं।

नई दिल्ली। Honey Benefits: स्किन केयर के लिए हम कई महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना इतने पैसे खर्च किए भी आप अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं। शहद का इस्तेमाल करके आप अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बना सकते हैं। जी हां, शहद में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जो इसे केवल खाने के लिए ही नहीं बल्कि, स्किन केयर के लिए भी फायदेमंद बनाते हैं। आइए जानते हैं, स्किन पर शहद के इस्तेमाल से क्या फायदे मिल सकते हैं।

डार्क स्पॉट्स कम करने में मददगार

शहद में हाइड्रोजन परऑक्साइड पाया जाता है, जो स्किन को लाइट बनाने में

काफी मददगार होती है। इसलिए यह डार्क स्पॉट्स को हल्का करने में मदद करता है। एक्ने की वजह से होने वाले निशान या सन स्पॉट्स को हल्का करने में शहद काफी सहायक हो सकता है।

मॉइस्चराइज करने में लाभदायक

शहद लगाने से स्किन मॉइस्चराइज्ड रहती है। शहद एक प्रकार का ह्यूमकटेंट होता है, जो हवा से मॉइस्चर लेकर, स्किन को मॉइस्चराइज करने में मदद करता है। इसके अलावा, यह काफी समय तक मॉइस्चर लॉस से भी बचाता है, जिससे त्वचा रूखी नहीं होती और हाइड्रेटेड रहती है। इसके इस्तेमाल से त्वचा मुलायम रहती है, जिससे फाइन लाइन्स की समस्या भी कम होती है।

एक्ने की समस्या को कम करने में सहायक

शहद में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो एक्ने को जल्दी ठीक करने और अधिक एक्ने होने से बचाने में काफी मदद करता है। साथ ही, इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो एक्ने की वजह से होने वाली सूजन को कम करने में मददगार होता है।

एक्सफोलिएट करने में मददगार

शहद में एक्सफोलिएटिंग गुण पाए जाते हैं, जिस कारण से यह स्किन पर इकट्ठा डेड सेल्स को रिमूव करने और त्वचा के पोर्स में इकट्ठा गंदगी को साफ करने में काफी मददगार होता है। डेड स्किन सेल्स को हटाने की वजह से स्किन ब्राइट नजर आती है, इसलिए यह स्किन को ग्लोइंग बनाने में भी मदद करता है। हालांकि, शहद के इस्तेमाल के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि यह शुद्ध हो और इसमें किसी प्रकार का केमिकल नहीं मिलाया गया हो। केमिकल की वजह से यह स्किन के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है। इसके अलावा, इस बात का ख्याल भी रखें कि आपको पॉलेन या किसी बी प्रोडक्ट से एलर्जिक तो नहीं है। इसलिए चेहरे पर लगाने से पहले, पैच टेस्ट कर लें।

खाते समय देखते हैं टीवी, तो हो जाइए सावधान, सेहत को हो सकते हैं कई नुकसान

अक्सर खाते समय टीवी देखना कई लोगों की आदत का हिस्सा होता है। आमतौर पर लोग खाते समय कोई फिल्म देखना या किसी अधूरे टीवी शो को पूरा करना पसंद करते हैं लेकिन इस वजह से सेहत से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए खाते समय टीवी नहीं देखना चाहिए। जानें खाते समय टीवी देखने से सेहत को क्या नुकसान हो सकते हैं।

नई दिल्ली। Eating Habits: हमारी लाइफस्टाइल ऐसी हो गई है कि हम हमेशा या तो अपने फोन में बिजी रहते हैं या टीवी और लैपटॉप में। हमेशा किसी न किसी काम में व्यस्त रहने की वजह से, हम अक्सर यह सोचते हैं कि एक साथ दो काम करने से, हमारा समय बर्बाद नहीं होगा और हम ज्यादा से ज्यादा काम कर पाएंगे। इसलिए खाते समय हम अक्सर अपनी अधूरी फिल्में या टीवी शोज को पूरा करने की कोशिश करते हैं। खाते समय फोन चलाने या टीवी देखने की आदत केवल बच्चों में ही नहीं बल्कि, बड़ों में भी देखने को मिलती है, लेकिन यह आदत काफी नुकसानदेह हो सकती है। जी हां, खाते समय टीवी या फोन देखना सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है। इस कारण से आपको सेहत के लिहाज से कई नुकसान झेलने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं, खाते समय टीवी देखने या फोन चलाने के क्या नुकसान हो सकते हैं।

खाने से संतुष्टि नहीं मिलती

खाते समय फोन चलाने या टीवी देखने से हमारे दिमाग का सारा फोकस टीवी पर होता है। हमारे सामने स्क्रीन पर क्या हो रहा और आगे क्या होने वाला है, इसी उधेड़-बुन में दिमाग खाने पर ध्यान नहीं लगा पाता है। इस कारण से खाने से संतुष्ट नहीं हो पाते हैं। जब हमारा पेट भर जाता है, तब हमारा दिमाग एक प्रकार का हार्मोन रिलीज करता है, जिसकी मदद से हमे पता चलता है कि अब और खाने की जरूरत नहीं है। टीवी देखते समय ऐसा नहीं हो पाता है या ठीक से नहीं होता, जिस कारण हम खाने से संतुष्ट नहीं हो पाते हैं।

ओवर ईटिंग कर सकते हैं

टीवी देखते समय हमारा ध्यान खाने पर न होकर, टीवी पर होता है। इस वजह से कितनी भूख लगी है, कितना खाना है, इन बातों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। इस कारण अक्सर टीवी देखते समय हम शरीर की जरूरत से ज्यादा खाना खा लेते हैं। यह ओवर ईटिंग की समस्या होती है। ओवर ईटिंग की वजह के सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें ब्लोटिंग, वजन बढ़ना आदि शामिल हैं।

जंक फूड ज्यादा खाते हैं

अक्सर टीवी देखते समय हम साथ में कुछ स्नैक्स खाना पसंद करते हैं। ये स्नैक्स ज्यादातर, पैकेट बंद फूड्स होते हैं, जो प्रोसेस्ड होते हैं और इनमें काफी कैलोरी भी पाई जाती हैं। अनहेल्दी फैट्स से बने होने की वजह से यह आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदेह होते हैं। टीवी देखते समय इन जंक फूड्स को खाना लोग ज्यादा पसंद करते हैं, जिस कारण से ये सेहत के लिए काफी नुकसानदेह होते हैं।

मोटापे का खतरा बढ़ता है

टीवी देखते समय खाना खाने की वजह से मोटापे का खतरा अधिक रहता है। टीवी देखते हुए खाने से मेटाबॉलिक रेट कम हो जाता है, जिस कारण से कैलोरी बहुत धीरे-धीरे बर्न होते हैं। इस कारण से शरीर में फैट इकट्ठा होने लगता है, जो वजन बढ़ने की समस्या बढ़ा सकता है। यह परेशानी ज्यादा बढ़ने से मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। इस कारण से अक्सर कमर के पास फैट इकट्ठा होने की समस्या बढ़ जाती है।

अंडरआर्म्स की बदबू की वजह से होना पड़ता है शर्मिंदा, तो इन नुस्खों की मदद से पाएं दुर्गंध से छुटकारा

पसीने की वजह से आने वाली बदबू की वजह से कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। कई बार परफ्यूम का इस्तेमाल करने के बाद भी इस दुर्गंध को दूर करना काफी मुश्किल हो जाता है। इसलिए पसीने की वजह से आने वाली बदबू दूर करने के लिए हम कुछ नुस्खे लेकर आए हैं। जानें कैसे बिना परफ्यूम का इस्तेमाल किए अंडरआर्म्स की बदबू को दूर कर सकते हैं।

नई दिल्ली। Smelly Underarms Remedies: बहुत अधिक शारीरिक मेहनत वाले काम की वजह से पसीना आता है, जो बदबू का कारण बन जाता है। शरीर के कुछ हिस्से, जैसे अंडरआर्म्स में यह समस्या अधिक होती है। यहां स्किन फोल्ड होती है, जिस कारण से बैक्टीरिया आसानी से पनप पाते हैं। ये बैक्टीरिया पसीने को एसिड में बदलते हैं, जिस कारण से बदबू आती है। पब्लिक स्थानों पर अक्सर इस वजह से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। इसलिए खराब बॉडी ऑडर को दूर करने के लिए कई तरह के परफ्यूम और रोल ऑन्स का इस्तेमाल करते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताने वाले हैं, जिनकी मदद से बिना परफ्यूम का इस्तेमाल किए, नेचुरल तरीकों से अंडरआर्म्स की दुर्गंध को दूर कर सकते हैं।

एप्पल साइडर विनेगर

सेब के सिरके के इस्तेमाल से अंडरआर्म्स की गंध को दूर किया जा सकता है। इसे पानी की सहायता से डाल्यूट कर लें और एक कॉटन बॉल की मदद से इसे अपने अंडरआर्म्स में लगाएं। आप चाहें तो इसे रातभर लगाकर छोड़े दें और सुबह गुनगुने पानी से धो लें या फिर आप चाहें तो इसे लगाकर सूखने दें और फिर कपड़े पहनें। यह अंडरआर्म्स में पनपने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करता है, जिससे पसीने के कारण बदबू नहीं आती है।

नींबू का रस

पसीने की बदबू को दूर भगाने के लिए नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके रस को निचोड़ लें और इसमें थोड़ा पानी मिला लें। इसके बाद इसे कॉटन बॉल की मदद से अंडरआर्म्स में लगाएं या किसी बोतल में भरकर स्प्रे भी कर सकते हैं। थोड़ी देर बाद पानी से इसे धो लें।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा का नेचर बेसिक होता है, जिस कारण से यह बैक्टीरिया द्वारा बनाए जाने वाले एसिड को न्यूट्रल कर देता है, जिस कारण से बदबू नहीं आती है। इसलिए बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से अंडरआर्म्स की बदबू को दूर किया जा सकता है। थोड़े पानी में मिलाकर इसका गाढ़ा पेस्ट बना लें और इसे स्किन पर लगाकर छोड़ दें। जब यह सूख जाए, तो गुनगुने पानी से इसे धो लें।

आलू

आलू का इस्तेमाल करने से अंडरआर्म्स की बदबू को दूर किया जा सकता है। आलू को बीच से काट लें और उसके टुकड़े को अंडरआर्म्स में 10 मिनट के लिए रगड़ें।

इसके बाद पानी से इसे धो लें। ऐसा करने से पसीने की वजह से आने वाली दुर्गंध को दूर किया जा सकता है।

सुबह उठते ही आप भी खाते हैं गैस की गोली? खाली पेट खाकर देखिए ये चीज, बदहजमी से मिलेगी निजात

आप भी अगर सुबह उठते ही गैस की गोली ढूंढते हैं तो ये आर्टिकल आप ही के लिए है। आजकल के अनहेल्दी खानपान में कई लोगों को बदहजमी की शिकायत रहती है। ऐसे में कुछ खास चीजों का सेवन करना काफी जरूरी है। ऐसी ही कुछ चीजों का प्रयोग आज हम आपको बताने जा रहे हैं जिसे फॉलो करने के बाद आप भी गैस और एसिडिटी से छुटकारा पा सकेंगे।

नई दिल्ली। Remedy For Gas and Acidity: आजकल के गलत खानपान में बदहजमी एक आम बात बन गई है, जिससे कई लोग परेशान हैं। हालत ये है, कि लोग सुबह-सवेरे उठते ही काने के लिए गैस की गोली ढूंढते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको एक ऐसा नुस्खा बताएंगे, जिसे अपनाकर आप भी अपने पेट में होने वाली गड़बड़ से बच सकते हैं। बस इसका यूज आपको सुबह खाली पेट करना है, जो पेट से जुड़ी तमाम शिकायतों को दूर कर सकता है। आइए जानें इसके बारे में। नानी-दादी यूं ही नहीं अजवाइन के फायदे गिनाती थीं। बता दें, पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में ये काफी मदद करती है। अगर आप भी रोजाना सुबह गैस की गोली खाने को मजबूर हैं, तो कुछ दिन सुबह उठते ही एक चम्मच अजवाइन खाकर देख सकते हैं। इससे आपकी बदहजमी भी दूर होगी और इसके पानी में काला-नमक मिलाकर पीने से भी आपको अपच से राहत मिलेगी।

अजवाइन से बनाएं चूर्ण

आप बदहजमी को दूर करने के लिए और गैस की गोली से छुटकारा पाने के लिए घर पर अजवाइन से बना चूर्ण तैयार कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको 2 चम्मच अजवाइन, आधा चम्मच काला नमक, 2 चम्मच जीरा और एक चुटकी हींग को लेना है। अब अजवाइन और जीरा लेकर सूखे तवे पर रोस्ट कर लेना है। इसके बाद सभी चीजों को मिलाकर पीस लेना है। इस तैयार चूर्ण को आप किसी एयरटाइट कंटेनर में रखकर स्टोर कर सकते हैं। इससे आपका भोजन भी ठीक से पचेगा और गैस की समस्या से भी छुटकारा मिल जाएगा।

भारत की ऐसी जगहें जो वसंत ऋतु में हो जाती हैं और भी ज्यादा खूबसूरत

फरवरी से मौसम खुशगवार होने लगता है। ऐसे मौसम में घूमने-फिरने का अलग ही मजा होता है। भारत में ऐसी कई सारी जगहें हैं जो इस मौसम में और भी ज्यादा खूबसूरत हो जाती हैं चारों तरफ बिखरी हरियाली और फूल अलग ही दुनिया में होने का एहसास कराते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में।

नई दिल्ली। फरवरी से लेकर मिड मार्च तक का मौसम ज्यादातर जगहों पर सुहावना होता है। ये मौसम घूमने-फिरने के लिहाज से बहुत ही बेहतरीन होता है। अगर आप इस मौसम में ऐसी किसी जगह का तलाश कर रहे हैं, जहां जिदंगी भर की यादें समेट सकें, तो भारत की इन जगहों का बना सकते हैं प्लान। आज हम भारत की ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में जानेंगे, जहां घूमने के लिए वसंत ऋतु है बेस्ट।

दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल

दार्जिलिंग की पहचान दूर तक फैले हरे-भरे चाय के बागान हैं और टॉय ट्रेन का सफर हैं। यहां का मौसम लगभग सालभर ही सुहावना रहता है, लेकिन फरवरी में सुहावने मौसम के साथ यहां की खूबसूरती भी दोगुनी हो जाती है। वसंत ऋतु में यहां की पहाड़ियां रोडोडेंड्रोन और मैगनोलिया के फूलों और खुशबू से भर उठती हैं। जिसे देखना एक अलग ही तरह का आनंद है।

मुन्नार, केरल

मुन्नार केरल का एक बेहद शानदार हिल स्टेशन है। मतलब की यात्रा इस जगह को देखे बिना अधूरी मानी जाती है और वसंत ऋतु में तो इसकी खूबसूरती अपने चरम पर होती है। आसपास की पहाड़ियों पर लहलहाते तरह-तरह के फूलों को देखकर दिल खुश हो जाता है। ऐसी खूबसूरती आपको जन्नत में होने का एहसास कराती है।

कश्मीर

कश्मीर को वैसे ही भारत के स्वर्ग का दर्जा मिला हुआ है। यहां आकर आपको इसका अंदाजा लग जाएगा कि क्यों इसे जन्नत की उपाधि मिली है। कश्मीर की खूबसूरती को एक बार में एक्सप्लोर नहीं किया जा सकता। यहां गर्मियों में अलग, सर्दियों में अलग और वसंत ऋतु में एकदम अलग नजारा देखने को मिलता है। फरवरी के महीने में तो यहां की घाटियां पर रंग-बिरंगे फूल खिल जाते हैं। ट्यूलिप्स, चेरी के पेड़ मिलकर तो ऐसा दृश्य बनाते हैं, जिसे देखकर विदेश में होने का एहसास होता है।

फूलों की घाटी, उत्तराखंड

वैसे तो उत्तराखंड स्थित फूलों की घाटी घूमने का बेस्ट सीजन जुलाई से सितंबर होता है, जब यहां आकर आप रंग-बिरंगे फूल देख सकते हैं, लेकिन ऐसा मिलता-जुलता नजारा आपको फरवरी माह में भी देखने को मिलता है। यहां घास के मैदानों में अल्पाइन फूलों की चादर बिछ जाती है। ऐसे नजारे को सामने से देखकर अलग ही आनंद और सुकून की अनुभूति होती है। ये नजारा आपकी फोटोज़ को भी शानदार बना सकता है।

शिमला, हिमाचल प्रदेश

शिमला...दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा रहने वालों का फेवरेट डेस्टिनेशन है। जो वीकेंड मस्ती के लिए परफेक्ट जगह है। अगर आप दो दिन की मस्ती के लिए किसी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो शिमला करा प्लान कर सकते हैं।

वसंत ऋतु में यहां चारों तरफ रोडोडेंड्रोन और चेरी के फूल चार चांद लगा देते हैं। जो आपके ट्रिप को यादगार बना देंगे।

रश्मिका मंदाना की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, एक्ट्रेस ने बताया कैसे बच निकलीं मौत के मुंह से

Rashmika Mandanna फिल्म एनिमल के बाद एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना पुष्पा 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म कुछ ही महीनों में रिलीज होने वाली है। इस बीच एक्ट्रेस को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। रश्मिका मंदाना मौच के मुंह से बाल-बाल बची हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर खुद इस बात की जानकारी दी है।

नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के बाद अब बॉलीवुड में भी अपनी धाक जमा चुकीं एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। एनिमल फिल्म के बाद एक्ट्रेस के पास कई और बेहतरीन प्रोजेक्ट्स की लाइन लग गई है। प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही पर्सनल लाइफ को लेकर भी एक्ट्रेस चर्चा में बनी रहती हैं। इस बीच रश्मिका को लेकर एक अहम खबर सामने आई है।

रश्मिका को लेकर आई ये अपडेट

रश्मिका मंदाना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि हाल ही में एक हादसे में उनकी जान बाल-बाल बची। वह मौत के मुंह में जाने से बची हैं। एक्ट्रेस के इस पोस्ट से सोशल मीडिया पर हड़कंप मच गया है।

रश्मिका की फ्लाइट की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

एक्ट्रेस जिस फ्लाइट से सफर कर रही थीं, उसकी इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। इस दौरान की एक तस्वीर रश्मिका ने अपने इंस्टा स्टोरी पर शेयर की, जहां वह अपनी सीट पर बैठी हुई नजर आ रही हैं। इसे शेयर करते हुए रश्मिका ने

लिखा, सिर्फ एक सूचना है कि इस तरह हम मौत से बचे हैं। फोटो में उनके साथ एक्ट्रेस श्रद्धा दास भी नजर आ रही हैं। बता दें कि रश्मिका की यह फ्लाइट मुंबई से हैदराबाद जा रही थी। इमरजेंसी लैंडिंग की वजह से फ्लाइट 30 मिनट बाद मुंबई लौट गई। इसका कारण टेक्निकल फॉल्ट बताया गया है। इस हादसे में जान का खतरा जरूर बना रहा, लेकिन हर पैसेंजर सकुशल वापस पहुंचा।

रश्मिका मंदाना का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना की फिल्मों की बात करें, एक्ट्रेस की इस साल पुष्पा 2 रिलीज होगी। यह फिल्म इस साल स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होगी। फिल्म का क्लैश रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन से होगा।

मराठा समाज शिवाजी जयंती वाहन रैली में उमड़े समाज जन

भारत के स्वर्णिम इतिहास में शिवाजी का योगदान अतुलनीय

सामाजिक प्रतिभाओं व विद्यार्थियों का किया सम्मान

नीमच। क्षत्रिय मराठा समाज नीमच के तत्वाधान में मराठा समाज के महान वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी जयंती महोत्सव का शुभारंभ 19 फरवरी को सुबह तुलजा भवानी मंदिर में पूजा अर्चना पुष्प अर्पित कर तथा शिवाजी के चित्र पर माल्यार्पण सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ किया गया। सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों व शिवाजी जयंती महोत्सव की पावन श्रृंखला में 19 फरवरी सोमवार सुबह 9:30 बजे पिपली चौक नीमच सिटी स्थित शिवाजी प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात वाहन रैली का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्रीमती उषा दलवी ,सुश्री सरिशा जाधव ,सुश्री मिताली जाधव , श्रीमती रश्मि राव ने तलवार की विभिन्न कलाबाजियों का हैरत अंग्रेज प्रदर्शन किया। इसका सभी समाज जनों ने करतल ध्वनी से स्वागत किया।

वाहन रैली नीमच सिटी, सांवरिया मंदिर, बस स्टैंड, फव्वारा चौक, कमल चौक विजय टॉकीज चौराहा, अजमीड़ जी चौराहा आदि प्रमुख मार्गो से होते हुए एलआईसी चौराहा के समीप चोरडिया अस्पताल के पीछे माता तुलजा भवानी मंदिर पर पहुंचकर विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में परिवर्तित हो गई। रेली में सबसे आगे समाज के युवा शिवाजी के चित्रअंकित ध्वज लिए चलायमान थे। इसके साथ ही समाज जन हाथों में शिवाजी ध्वज लिए महिला पुरुष दो पहिया व चार पहिया वाहनों पर सवार थे। महिलाएं जीजाबाई के परिधानों में सहभागी बनी। जीप रुपी रथ में शिवाजी के चित्र को फूल माला से श्रृंगारित किया गया । अनेक बच्चों ने रथ में शिवाजी एवं जीजाबाई का स्वांग रचकर अभिनय प्रस्तुत किया। रैली में उपस्थित समाज जनों का नीमच सिटी में भारत विकास परिषद के पदाधिकारीयों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत सम्मान किया गया।

इसके साथ ही सोमवार सुबह 11:45 बजे माता तुलजा भवानी की आरती सभी समाज जनों की उपस्थिति में की गई। तथा12बजे वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतापगढ़ राजस्थान के समाजसेवी अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि भारत के स्वर्णिम इतिहास में महान योद्धा शिवाजी का योगदान अतुलनीय है। शिवाजी की छापा मार युद्ध प्रणाली के कारण ही देश की आजादी का युग हम यह देख रहे हैं। इतिहासकार लोकेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि मराठा शासको ने 178 साल तक मालवा में शासन किया था ।तक्षशिला और नालंदा की आग में देश का स्वर्णिम इतिहास जल गया था ।मराठा समाज नीमच के अध्यक्ष एडवोकेट रूपेश जाधव ने कहा कि नीमच आंचल एवं जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचल के प्रत्येक समाज जन को साथ लेकर टीम भावना के साथ समाज विकास का संकल्प पूरा करने में सभी का योगदान महत्वपूर्ण है। पत्रिका प्रकाशन में सभी समाज जनों का सहयोग अविस्मरणीय रहा है। इस पुस्तिका से समाज में नई क्रांति का सूत्रपात होगा ।महंगाई के इस युग में धन समय एवं श्रम की बचत के उद्देश्य से विवाह योग्य युवक की युवतियों को अपने मनपसंद वर वधु चयन करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

समाज सचिव संभाजी राव ने कहा कि वर्तमान कार्यकारिणी ने सभी समाज जनों के सहयोग से नवरात्रि गरबा पर्व, वन विहार, शिवाजी जयंती जैसे सभी कार्यक्रम उत्कृष्ट समन्वय के साथ आयोजितत किए हैं। कार्यक्रम में समाज उपाध्यक्ष राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता रमेश मोरे, श्रीमती उषा दल्वी, रघुनाथ नवले भी मंचासिन अतिथि के रूप में विराजित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माता तुलजा भवानी एवं वीर योद्धा शिवाजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं प्रज्वजलित कर अतिथियों द्वारा किया गया। सर्वप्रथम सरस्वती वंदना श्रीमती वर्षा जाधव एवं सुश्री तनीषा शिन्धे ने प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के मध्य में अतिथियों द्वारा समाज की 30 सामाजिक प्रतिभाओं तथा 30 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाजजनो की पारिवारिक जानकारी का आदान-प्रदान करने के उद्देश्य से मांझा कुटुंब पत्रिका का विमोचन किया गया ।शिवाजी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ड्राइंग रंगोली प्रतियोगिता में विजेता उपजेता सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

तुलजा भवानी मंदिर पर आयोजित कार्यक्रमों में क्षत्रिय मराठा समाज के अध्यक्ष एडवोकेट रूपेश जाधव, रैली संयोजक शैलेंद्र देवधर, सचिव संभाजी राव जाधव, आनंद नवले ,मार्तंड राव जाधव, लखन शिंदे, विनोद नवले, आशीष शिंदे, सुरेश बाबूराव जाधव, कमल शिंदे, संजय पंवार, चंद्र प्रकाश शिंदे, विजय राव जाधव, शरद पंवार, हेमंत शिंदे, संदीप पंवार, अशोक दलवी, शिवाजी जयंती रैली संयोजक आनंद नवले, संदीप राव पंवार, कार्यक्रम संयोजक शैलेंद्र देवधर, उत्सव मिलन समारोह संयोजक इंद्रेश जाधव, महिला सह सचिव निर्मला जाधव, रचना नवले, रश्मि जाधव,नेहा रोहित जाधव वर्षा पंवार, पुष्प लता नवले, गीता नवले, सुधा विनोद नवले, संतोष कदम, वंदना जाधव ,दुर्गा दलवी, संगीता चौहान, जय श्री जाधव, शरद राव, राजश्री मराठा, सुधा जाधव,कोषाध्यक्ष मंगेश राव दल्वी आदि क्षेत्र के मराठा समाज जन शिवाजी जयंती कार्यक्रमों में सहभागी बने।

कार्यक्रमों में सभी समाज के पुरुष श्वेत परिधानों में तथा महिलाएं हरे लाल परिधानों में साफा सिरोधार्य किये सहभागी बनी। इस अवसर पर जय शिवा सरदार की, जय राणा प्रताप की तुलजाभवानी मां की जय घोष लगाई गई। कार्यक्रम में निंबाहेड़ा, छोटी सादड़ी, जीरन, कुचडोद मोड़ी, आदि नीमच जिले से बड़ी संख्या में समाज जन सहभागी बने। समाज के राजेंद्र राव सांभा राव, मनोहर चौहान, गणपत राव, आर मल्हार आदि दिवंगतों की स्मृति में भावांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र देवधर ने किया तथा आभार विनोद नवले ने व्यक्त किया।

ग्राम पंचायतों में नवाचार की आमजन कर रहे हैं सराहना

नीमच जिले की ग्राम पंचायतो में सेल्फी प्वाइंट बने आकर्षण का केंद्र

नीमच। कलेक्टर दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ गुरुप्रसाद के मार्गदर्शन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नीमच जिले में किए जा रहे नवाचार की आमजनों द्वारा खूब सराहना की जा रही है। नीमच जिले की सभी 243 ग्राम पंचायतो में आई लव ग्राम पंचायत के साइन बोर्ड सेल्फी पॉइंट के नाम से जाने जा रहे है। ये सेल्फी पॉइंट पंचायत एवं सार्वजनिक स्थान पर लगाए गए हैं, जो कि प्रदेश में नीमच जिले द्वारा किया गया सर्वप्रथम नवाचार है, जो ग्रामीणों को प्रेरणा दे रहा है, कि अपनी ग्राम पंचायत को स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित रखना है। ग्राम पंचायत झांतला के साइन बोर्ड के संबंध में ग्रामवासियों ने बताया, कि ये साइन बोर्ड देख कर हमे गर्व होता है, बच्चों द्वारा सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर अपना फोटो अपलोड कर वे अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे है। सरपंच पूजा विनोद धाकड़ झातला ने बताया, कि सीईओ जिला पंचायत श्री गुरुप्रसाद के निर्देशानुसार पंचायत में लाउड स्पीकर, 9 थीम पर आधारित बोर्ड, सीसीटीवी कैमरे आदि लगाए जाएंगे।

जिले की पंचायतों में सेल्फी पॉइंट बन रहे है आकर्षण का केंद्र

नीमच। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद द्वारा जिले में किए जा रहे नवाचार को आमजन द्वारा खूब सराहना जा रहा है। जिले समस्त 243 ग्राम पंचायत में आई लव ग्राम पंचायत के साइन बोर्ड सेल्फी पॉइंट के नाम से जाना जा रहा है, ये सेल्फी पॉइंट पंचायत एवं सार्वजनिक स्थान पर लगाए गए हैं, जो की प्रदेश में नीमच जिले द्वारा किया गया सर्वप्रथम नवाचार है, जो ग्रामीणों को प्रेरणा दे रहा है, कि अपनी ग्राम पंचायत को स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित रखना है।

ग्राम पंचायत हांसपुर के साइन बोर्ड के संबंध में महिलाओं, किसानों, द्वारा बताया गया, कि ये साइन बोर्ड देख कर, हमे गर्व होता है, और बच्चों के द्वारा सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर अपना फोटो अपलोड कर अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते है ।सरपंच हरिशंकर धनगर द्वारा बताया गया, कि सीईओ के निर्देशानुसार पंचायत में 9 थीम पर आधारित बोर्ड तैयार करवाया गया है।

जिसमें स्वस्थ और हरित, बाल हितैषी, महिला हितैषी, आत्मनिर्भर, सामाजिक रूप से सुरक्षित, सुशासित, ओडीएफ प्लस, टीबी मुक्त, लाडली फ्रेंडली, नशामुक्ति, बाल विवाह मुक्त, विवाद मुक्त, पंचायत बनाने के प्रयास किए जा रहे है तथा लाउड स्पीकर, सीसीटीवी कैमरे आदि लगाए जाएंगे।

समाधान आपके द्वार शिविर का आयोजन 21 फरवरी को

मंदसौर। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार चल रहे समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के तत्वाधान में 21 फरवरी 2024 को संजय गांधी उद्यान मंदसौर शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, क्षेत्रीय परिवहन विभाग के सहयोग से आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, लर्निंग लाइसेंस आदि बनवाए जाने अथवा संशोधन किया जाएगा। जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री हर्ष सिंह बहरावत ने बताया की समाधान आपके द्वार योजना का आयोजन संपूर्ण मध्य प्रदेश में किया जा रहा है। इसके अंतर्गत राजस्व, पुलिस, वन, नगर निकाय, विद्युत विभागों के एवं न्यायालय में लंबित शमनीय मामले तथा अन्य प्रिलिटिगेशन मामलों का त्वरित एवं सुलभ निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया की उपरोक्त विभागों से संबंधित किसी भी समस्या हेतु संबंधित विभाग से योजना अंतर्गत संपर्क कर सकते है, या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के कार्यालय में आवेदन कर सकते है। शिविर में अधिक से अधिक संख्या में आकर अपने दस्तावेज बनवाएं अथवा संशोधन करवा सकते है।

मिलावट खाद्य सामग्री की जांच लगातार करें कलेक्टर

मंदसौर। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने खाद्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि जिले में मिलावट खाद्य सामग्री की लगातार जांच करें। इसके लिए एक विशेष दल भी बनाएं, जो की लगातार कार्यवाही करें। इस कार्य में सभी एसडीएम विशेष तौर पर ध्यान दें। जिला आपूर्ति विभाग गैस स्टोर के भंडार को देखें तथा नियम अनुसार कार्यवाही करें। बैठक के दौरान डीएफओ श्री संजय, सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

महारास, वेणुगीत एवं गोपी उद्धव संवाद प्रेमा भक्ति के प्रतीक- पंडित विकास नागदा

निंबाहेड़ा । ठाकुर श्री कल्लाजी के कृपा पात्र गौनन्दन पंडित विकास नागदा ने कहा कि श्री मद् भागवत महापुराण में वर्णित महारास, वेणुगीत और गोपी उद्धव संवाद हर दृष्टि से प्रेमा भक्ति के प्रतीक है। जिनसे हमें प्रेरणा लेकर अपने आराध्य के प्रति पूरे समर्पण भाव से प्रेमा भक्ति करनी चाहिए।

पंडित नागदा सोमवार को श्री कल्लाजी वेदपीठ एवं शोध संस्थान द्वारा वेदपीठ परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव के षष्ठम दिवस व्यासपीठ से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महारास का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि शरद पूर्णिमा की धवल चांदनी में जब बृज में महारास का आयोजन किया गया तो कान्हा की बांसूरी सुनकर बृज की समस्त गोपीयां सुध-बुध खोती हुई महारास में पहुंच गई, तब भगवान कृष्ण ने कहा कि वे भी गोपियों के अन्यय प्रेम भाव को महत्व देते है। इसी दौरान गोपियों ने श्रीकृष्ण से अधरामृत प्रदान करने का अनुनय आग्रह किया। जिसे स्वीकारने पर वेणुवादन के साथ महारास का भव्य आयोजन हुआ। इससे पूर्व पंडित नागदा ने कंस वध की विस्तार से व्याख्या करते हुए कहा कि मथुरा में कंस के बढ़ते पाप को समाप्त करने के लिए मल्लयुद्ध में उन्हें पराजित कर अपने धाम को पहुंचा दिया। वहीं भगवान कृष्ण मथुरा में विराजित हो गए तब अपने सखा उद्धव से कहा कि उन्हें बृज की बहुत याद आ रही हैं। इसलिए वे बृज जाकर गोपियों को मेरे प्रेम का संदेश दे, तब उद्धव ने श्रीकृष्ण का ऊपरणा ओढ़कर वे बृज पहुंचे तो समस्त ग्वालबाल रथ को देखकर अपने कान्हा को आया समझ बैठे, लेकिन वहां तो कान्हा नहीं उद्धव पहुंचे थे।

जब उद्धव मय्या यशोदा और नन्द बाबा के पास पहुंचे तो उनकी दशा भी कान्हा के विरह में देख कर वे भी चकित हो गए। तत्पश्चात वे गोपियों से मिलने पहुंचे तो लाख समझाने के बावजूद गोपियों ने उनसे कहा उद्धव मन नाही दसबीस एक हो तो जो गयो श्याम संग यह कहकर उद्धव को निरूत्तर कर दिया।

इस प्रसंग ने श्रीकृष्ण एवं गोपियों के प्रेम भक्ति भाव को प्रकट कर दिया। छह माह बृज में रहने के बाद जब उद्धव मथुरा गए तो उन्होंने ने भी श्री कृष्ण को उलाहना देते हुए कहा कि बृज में तुम्हें इतना प्रेम करने वाले है, तो वहां क्यों नहीं चले जाते तब श्रीकृष्ण ने कहा कि यह असंभव है, लेकिन गोपियों के आनंद प्रेम को स्वीकार करते हुए उन्होंने उसी रूप में उन्हें दर्शन भी दिए। जब कृष्ण मथुरा छोड़कर द्वारिका जाने लगे तो वहां युद्ध को छोड़ने के कारण वे रणछौड़ कहलाएं। पंडित नागदा ने रूकमणी मंगल की कथा का विस्तार करते हुए कहा कि रूकमणी द्वारा प्रेम निवेदन करने के बाद भगवान कृष्ण ने उनका अपहरण कर प्रेम विवाह किया।

इसके साथ ही रूकमणी उनकी प्रथम पटरानी बन गई। कृष्ण रूकमणी विवाह के प्रसंग के दौरान पंडित नागदा एवं पंडित प्रहलाद कृष्ण एवं साथियों द्वारा जब कथा मंडप में आए सजीव रूकमणी कृष्ण की झांकी के साथ बन्नो मारो चारभुजा को नाथ, बन्नी मारी तुलसा लाड़ ली की तर्ज पर भजन की प्रस्तुति दी तो कथा मंडप में मौजूद श्रद्धालु नर नारी नृत्य करने लगे।

कथा विश्राम से पूर्व मौजूद श्रोताओं ने स्वेच्छानुसार कृष्ण रूकमणी को उपहार न्यौछावर कर स्वयं को धन्य किया। वहीं कृष्ण रूकमणी विवाह का चरित्र वर्णन एवं सजीव प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। अंत में वेदपीठ के पदाधिकारियों एवं भक्तों ने श्रीमद भागवत महापुराण की महा आरती की।

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओं की मेहनत रंग लाई आयुष्मान कार्ड बनाने में नीमच जिला प्रदेश के टॉप 5 जिलों में शामिल

जिले में 5.20 लाख के अधिक हितग्राहियों के बनाए आयुष्मान कार्ड

नीमच। कलेक्टर दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ गुरूप्रसाद के अथक प्रयासों से आयुष्मान निरामय भारत योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य 5 लाख 41 हजार 110 आयुष्मान कार्ड बनाने के लक्ष्य विरूद्ध नीमच जिले में 5 लाख 20 हजार 227 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए है। जो निर्धारित लक्ष्य का 96.27 प्रतिशत है। इस तरह नीमच जिला आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में प्रदेश के टॉप 5 जिलों में शामिल हो गया है।

कलेक्टर दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ गुरूप्रसाद ने जिले को हांसिल इस उपलब्धि का श्रेय पंचयत सचिव, रोजगार सहायक, आशा, आंगनवाडी कार्यकर्ता, एएनएम एवं ग्राम स्तरीय अमले तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम को दिया है।

जिला पंचायत सीईओ गुरूप्रसाद ने बताया कि कलेक्टर दिनेश जैन के मार्गदर्शन में जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु प्रति शनिवार, रविवार को प्रति सप्ताह चलाये गये विशेष अभियान के तहत ग्राम स्तरीय अमले व्दारा घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाए गए है। परिणाम स्वरूप नीमच जिला आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रदेश के टॉप 5 जिलों में शामिल हो पाया है। टॉप 5 जिलों में क्रमशः इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, मंदसौर जैसे बडे जिलों के साथ ही नीमच जिला भी 96 प्रतिशत से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाकर, टॉप 5 जिलों में शामिल हो गया है। यह अपने आप में एक बडी उपलब्धि है।

आंगनवाडी भवन के अधूरे निर्माण कार्य तत्काल पूरा करवाये-श्री जैन

शेष रहे पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनवाये-कलेक्टर ने की ई-जनसुनवाई

नीमच। ग्राम पंचायत क्षेत्रों में आंगनवाडी केन्द्र के भवन निर्माण कार्य तत्काल पूर्ण करवाये। शेष रहे पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड भी अविलम्ब बनवाएं। स्वामित्व योजना के तहत शेष कार्यवाही पूर्ण कर, पात्र आवासहीनों को भू-अधिकार अभिलेख वितरित करवाये। यह निर्देश कलेक्टर दिनेश जैन ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में ई-जनसुनवाई करते हुए ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिवोंएवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को दिए। ई-जनसुनवाई में कलेक्टर ने नीमच क्षेत्र की ग्राम पंचायत केलुखेडा, सिरखेडा, नेवड, सोनियाना एवं मुंडला के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद कर,ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री जैन ने मुण्डला पंचायत के ग्रामीणों की मांग पर क्षेत्र के चारों गॉवों में आंगनवाडी केन्द्र भवन निर्माण के लिए भूमि चिहिंत कर, ग्राम पचांयत से भवन निर्माण के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा ट्रासंफार्मर की क्षमता बढाने की मांग पर विद्युत लोड का आंकलन कर, कार्यवाही करने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने सोनियाना के सरपंच सचिव को अधूरे पडे आंगनवाडी केन्द्र भवनों को तत्काल पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्होने सोनियाना में आंगनवाडी केन्द्र के सभी बच्चों के आधार कार्ड बनाने के निर्देश भी आंगनवाडी कार्यकर्ता को दिए। कलेक्टर ने सिरखेडा के ग्रामीणों की मांग पर ठिकरिया डेम के डूब क्षेत्र में स्थित सरकारी जमीन पर खेल मैदान का प्रस्ताव तैयार कर, भेजने के निर्देश भी सचिव को दिए।

उन्होने शांतिधाम पर जल संसाधन विभाग द्वारा डाले गये मटेरियल को हटाने ओर समतलीकरण करवाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिलने, किसानों के ई-केवायसी, आंगनवाडी में बच्चों को भोजन वितरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, टी.बी. रोगियों को फुड बास्केकेट वितरण, वृद्धावस्था एवं दिव्यांग पेंशन,पेयजल, राशन दुकान से राशन वितरण, जीर्णशीर्ण भवनों के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की।

सुवासरा और शामगढ़ में नवीन ट्रेनों का स्टापेज स्वीकृत

जोधपुर व छत्तीसगढ़ जाने वाले यात्रियों को मिलेगी सुविधा

मंदसौर । सांसद सुधीर गुप्ता के प्रयास एक बार फिर रंग लाए है। रेलवे मंत्रालय द्वारा संसदीय क्षेत्र में दो नवीन ट्रेन का स्टॉपेज शामगढ़ व सुवासरा में स्वीकृत किया। सांसद सुधीर गुप्ता रेलवे के विकास, नवीन ट्रेनों के स्टॉपेज सहित अन्य मांगो को लेकर लगातार दृढ़ संकल्पित रहते है और सदैव प्रयासरत रहते है। उनके प्रयास एक बार फिर रंग लाए।

सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा दो नवीन ट्रेनों 20813/20814 पुरी-जोधपुर एक्सप्रेस का शामगढ़ एवं 20843/20844 बिलासपुर भगत की कोठी एक्सप्रेस का स्टॉपेज सुवासरा में स्वीकृत किया गया।

सांसद गुप्ता ने बताया कि इन ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही थी जिसके लिए वे भी लगातार रेलवे के अधिकारियों के संपर्क में थे। सांसद गुप्ता ने कहा कि इन ट्रेनों के स्टापेज से जगन्नाथ पुरी, भुवनेश्वर जाने वाले यात्रियों को सीधी कनेक्टीविटी मिलेगी। वहीं जोधपुर तक जाने वाले यात्रियों को भी इस ट्रेन की सुविधा मिलेगी। वहीं ट्रेन संख्या 20843/20844 बिलासपुर भगत की कोठी एक्सप्रेस का स्टॉपेज सुवासरा में होने से छत्तीसगढ़ के साथ बिलासपुर, रायपुर व नागपुर, इटारसी, व नर्मदापुरम की ओर जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। वहीं इस ट्रेन का लाभ जोधपुर एवं जयपुर जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। सांसद गुप्ता ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार प्रकट किया।

जल ही जीवन है।
पानी बचाऐं
जीवन बचाऐं

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: ऐश्वर्य शर्मा (संपादक)- 9407423966, राधवेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)- 9301678930। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।